हिन्दी पाक्षिक

महानगर स्तंभ

RNI NO. RAJHIN/2017/70561

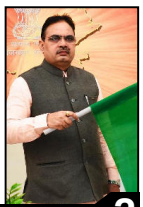

पृष्ठ संख्या.... 2

❒ वर्ष-8 ❒ अंक-6 जयपुर, शुक्रवार 15 मार्च, 2024 ❒ एक प्रति 5 रुपये ❒ कुल पृष्ठ-4

उत्साह और खुशियों का त्योहार होली

भारत में विभिन्न पर्व, उत्सव, तीज-त्योहारों मनाए जाते हैं। हर त्योहार विभिन्न संस्कृतियों, परम्पराओं और रीति रिवाजों को प्रतिबिम्बित करता है। ये उत्सव सभी लोगों में उत्साह और उमंग पैदा करते है, साथ ही जीवन्तता का दर्शाते है। भारत के प्रमुख त्योहारों में है होली का त्योहार। होली का त्योहार रंगों और उमंगों से भरा होता है। सर्दी के मौसम के बाद बंसत के आगमन पर यह त्योहार आता है। यह प्राकृतिक सौन्दर्य का त्योहार है। होली हर साल फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। होली से एक दिन पहले होलिका दहन होता है। होली समाज से बैर-द्वेष को छोडकर एक दुसरे से मेल जोल कर खुशिंया बांटने का त्योहार है। होली के रंग की धूम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, अपितु होली का उडता हुआ गुलाल दूसरें देशों में भी पहुंचा है। त्योहारों और परम्पराओं ने देश की सीमाओं का विस्तार कर लिया है। होली स्नेह और प्रेम का त्योहार है। सभी लोग होली का आनंद लेते है। होली का त्योहार बच्चे, युवा, वृद्ध, स्त्री- पुरुष, बिना किसी भेद भाव से उंच नीच का विचार किए, एक-दूसरे पर रंग डालते है। इस दिन सुबह, घर पर होली की शुभकामनाएं देने वाली की भीड लगी रहती है। होली पर बडों को सम्मान देने के लिये पैरों पर गुलाल लगा कर आशीर्वाद लिया जाता है। समान उम्र वाले गुलाल माथे पर लगा कर गले मिलते है। छोटों को स्नेह से गुलाल लगा दिया जाता है।

भारत के सभी त्योहारों एवं आयोजनों पर कोई न कोई खास पकवान बनाया जाता है। होली पर विशेष रुप से ठंडाई बनाई जाती है। जिसमें केसर, काजू, बादाम और ढेर सारा दूध मिलाकर इसे बेहद स्वादिष्ट बना दिया जाता है। ठंडाई के साथ ही बनती है, खोये की गुजिया और साथ में कांजी इन सभी से होली की शुभकामनाएं देने वाले मेहमानों की आवभगत की जाती है। होली का प्रातःकाल के साथ ही खेलना शुरू हो जाती है। होली खेलने वाली की टोलियां नाचती-गाती, ढोल- मूदंग बजाती, लोकगीत गाती सभी के घरों पर आती है। लोग टोली में शामिल हो जाती है, टोली बढती-बढती एक बडे झुंड में बदल जाती है। नाच -गाने के साथ ही होली टोलियों उत्साह और उमंगों का जोश चरम पर होता है। यह जोश दोपहर बाद तक रहता है। होली की टोली के लोकगीतों में प्रेम के साथ साथ विरह का भाव भी देखने में आते है। इस दिन बुरा ना मानो होली है.....की गूंज हर दिशा से सुनाई देती है। होली भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ ही उमंगों से भरा त्योहार है। जहां आज लोगों की जीवनशैली आधुनिकता से परिपूर्ण, भागती दौड़ती जीवन की दिनचर्या बन गई है वहां यह त्योहार आज भी लोगों में जोश, उमंग, तरंग, उर्जा का संचार करता है। सभी को एक साथ उत्साहपूर्ण समय बीताने का अवसर प्रदान करता है। यह भारत के त्योहारों की सर्वोत्तम विशेषता एवं आभा है।

होलिका दहन का श्रेष्ठ समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन पूर्णिमा 24 मार्च को सुबह 9 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ हो रही है, जो 25 मार्च को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर समाप्त हो रही है। ऐसे में होलिका दहन 24 मार्च और रंगों वाली होली 25 मार्च को खेली जाएगी। इस साल होलिका दहन 24 मार्च को है। इसके साथ ही इस दिन देर रात होलिका दहन किया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार,रात 11 बजकर 15 मिनट पर शुरू होकर 25 मार्च को 12 बजकर 23 मिनट पर दहन समाप्त होगा। होलिका दहन के लिए 1 घंटे 14 मिनट का समय रहेगा।

बरसाने की लट्ठमार होली

बरसाने की लट्ठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। बरसाने की लट्ठमार होली में गुजरियों के लट्ठों से पुरुष बचने का प्रयास करते है। लट्ठमार होली खेलने से पहले इन पुरुषों को खिलाया-पिलाया जाता है, इनकी सेवा की जाती है। फिर इन पर लट्ठों से प्रहार किया जाता है, सर पर पगडी बांधे, हाथ में थाल नुमा ढाल से अपने को बचाते ये, अपने पर होने वाले लट्ठो के मार से बचाते है।

ढाल और लठों के इस खेल में यह ध्यान रखा जाता है कि कहीं इनको चोट न लग जायें, ऐसी होती है। बरसाने की लट्ठमार होली। साथ ही किसी अप्रिय हादसे से बचने के लिए बड़े मैदान में होली का आयोजन किया जाता है। यहां पर होली का मजा पूरे एक हफ्ते तक लिया जा सकता है। बरसाने कि इस लट्ठमार होली में लोग नाचते और ठिठोली करते नजर आते है. साथ ही लगती है, श्री राधे-राधे की जय-जयकार, जिसमें उत्साह और जोश से होली की मस्ती भरी होती है। सभी एक दूसरे पर खूब रंग डालते है। इस पानी की एक बूंद पाने के लिये श्रद्धालुओं में होड लग जाती है।

राजस्थान स्थापना दिवसः 30 मार्च

राजस्थान राजा-महाराजाओं और ऐतिहासिक गाथाओं का स्थान रहा है। यहां गुर्जर, राजपूत, मौर्य, जाट शासको ने राज किया था। भारत की आजादी राजस्थान प्रांत बनना और राजपूताना के तत्कालीन हिस्से का भारत में विलय एक बड़ा कार्य था। आजादी की घोषणा के साथ ही राजपूताना

के देशी रियासतों के शासक स्वतंत्र राज्य में भी स्वयं की सत्ता बनाए रखना चाहते थे। उस समय यहां लगभग बाईस देशी रियासतें थी। इनमें एक रियासत अजमेर मेरवाडा प्रांत को छोड़ कर शेष देशी रियासतों पर देशी राजा महाराजाओं का ही राज था। अजमेर-मेरवाडा प्रांत पर ब्रिटिश शासकों का कब्जा था। सभी रियासतों का विलय कर राजस्थान प्रांत बनाया जाना था। यह बड़ा ही दूभर था क्योंकि इन देशी रियासतों के शासक अपनी रियासतों के स्वतंत्र भारत में विलय को दूसरी प्राथमिकता के रूप में देख रहे थे। उनकी मांग थी कि वे सालों से खुद अपने राज्यों का शासन चलाते आ रहे हैं, उन्हें इसका दीर्घकालीन अनुभव है, इस कारण उनकी रियासत को स्वतंत्र राज्य का दर्जा दे दिया जाए। करीब एक दशक के प्रयासो से 18 मार्च 1948 को शुरू हुई राजस्थान के एकीकरण की प्रक्रिया कुल सात चरणों में 1 नवंबर 1956 को पूरी हुई। इसमें भारत सरकार के तत्कालीन देशी रियासत और गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल और उनके सचिव वी. पी. मेनन की भूमिका महत्वपूर्ण थी। इस प्रकार राजस्थान के वर्तमान स्वरूप का निर्माण हो सका।

अधिकांश रियासतों ने संविधान सभा में अपने प्रतिनिधि भेज दिए। राजस्थान से रियासतों तथा जनप्रतिनिधि मिलाकर कुल 17 प्रतिनिधि भेजे गए, जो 28 अप्रेल 1947 को संविधान सभा के सदस्य बने। राजाओं के प्रतिनिधियों के संविधान सभा जाने से उनकी भागीदारी होने के साथ राज्यों के पुनर्गठन व एकीकरण का मार्ग प्रशस्त हो गया। राजाओं ने रियासतों की जन-भावना का पूरा आदर किया, उसी तरह जन-नेताओं ने भी राजाओं का सम्मान बनाए रखा। 18 मार्च, 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली रियासतों का विलय होकर मत्स्य संघ बना। धौलपुर के तत्कालीन महाराजा उदयसिंह राजप्रमुख व अलवर राजधानी बनी। 25 मार्च, 1948 को कोटा, बूंदी, झालावाड़, टोंक, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, किशनगढ़ व शाहपुरा का विलय होकर राजस्थान संघ बना। 18 अप्रेल, 1948 को उदयपुर रियासत का विलय। नया नाम संयुक्त राजस्थान संघ रखा गया। उदयपुर के तत्कालीन महाराणा भूपाल सिंह राजप्रमुख बने। 30 मार्च, 1949 में जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों का विलय होकर वृहत्तर राजस्थान संघ बना था। यही राजस्थान की स्थापना का दिन माना जाता है। 15 अप्रेल, 1949 को मत्स्य संघ का वृहत्तर राजस्थान संघ में विलय हो गया। 26 जनवरी, 1950 को सिरोही रियासत को भी वृहत्तर राजस्थान संघ में मिलाया गया। 1 नवंबर, 1956 को आबू, देलवाड़ा तहसील का भी राजस्थान में विलय हुआ, मध्य प्रदेश में शामिल सुनेल टप्पा का भी विलय हुआ।

वीरो की धरती

वीरो की यह धरती शौर्य और साहस ही नहीं बल्कि राजस्थान की धरती के सपूतों ने हर क्षेत्र में कमाल दिखाकर देश-दुनिया में राजस्थान के नाम को विश्व पटल पर स्थान दिलाया है। राजस्थान की धरती पर रणबांकुरों ने जन्म लिया है। यहां वीरांगनाओं ने भी अपने त्याग और बलिदान से मातृभूमि को सींचा है। यहां धरती का वीर योद्धा कहे जाने वाले पृथ्वीराज चौहान ने जन्म लिया। जोधपुर के राजा जसवंत सिंह हो या उनके 12 साल के पुत्र पृथ्वी सिंह, अपनी जाबांजी से प्रदेश का मान बढ़ाया। राणा सांगा ने सौ से भी ज्यादा युद्ध लड़कर साहस का परिचय दिया था। पन्ना धाय के बलिदान के साथ बुलन्दा (पाली) के ठाकुर मोहकम सिंह की रानी बाघेली का बलिदान भी अमर है। जोधपुर के राजकुमार अजीत सिंह को औरंगजेब से बचाने के लिए वे उन्हें अपनी नवजात राजकुमारी की जगह छुपाकर लाई थीं। वीरगाथाओं से राजस्थान का इतिहास भरा हुआ है। राजस्थान दिवस प्रत्येक वर्ष 30 मार्च को मनाया जाता है। 30 मार्च, 1949 में जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों का विलय होकर एक वृहत्तर राजस्थान संघ बना था। इसी कारण यह दिन राजस्थान स्थापना दिवस कहलाता है। इस दिवस पर राजधानी जयपुर सहित विभिन्न जिलों में राजस्थान दिवस समारोह के तहत कई तरह के रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसमें में राज्य के लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाती हैं। पुलिस के जवानों द्वारा मोटरसाईकिलों पर साहसिक स्टंट्स कैरियर दिखाए जाते है। राजस्थान की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और वैभवशाली इतिहास को दर्शाते विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

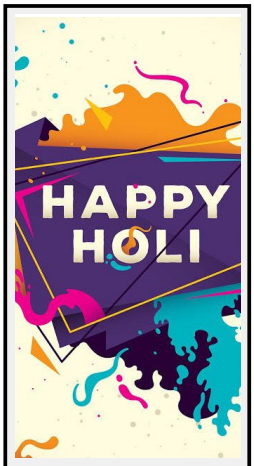

महानगर स्तंभ

पाक्षिक समाचार पत्र परिवार की ओर से आप सभी को

होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादकीय

एक देश एक चुनाव भारत की जरूरत

वन नेशन वन इलेक्शन यानी एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावना पर विचार करने के लिए बनी उच्चस्तरीय समिति ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली इस समिति का कहना है कि सभी पक्षों, जानकारों और शोधकर्ताओं से बातचीत के बाद ये रिपोर्ट तैयार की गई है। रिपोर्ट में आने वाले वक्त में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ-साथ नगरपालिकाओं और पंचायत चुनाव करवाने के मुद्दे से जुड़ी सिफारिशें दी गई हैं। 191 दिनों में तैयार इस 18,626 पन्नों की रिपोर्ट में कहा गया है कि 47 राजनीतिक दलों ने अपने विचार समिति के साथ साझा किए थे जिनमें से 32 राजनीतिक दल वन नेशन वन इलेक्शन के समर्थन में थे। अभी बेल्जियम, स्वीडन और दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय व स्थानीय स्तर के चुनाव एक साथ होते हैं। अगर भारत में यहां भी इस पर सहमति बनती है, तो भारत इस परिवार का चौथा सदस्य बन जाएगा। बहरहाल, कोविंद समिति ने सिफारिश की है कि लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएं, और उसके अगले 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय के चुनाव होने चाहिए। इसके लिए आयोग को जरूरी 'लॉजिस्टिक' व्यवस्था, यानी ईवीएम-वीवीपैट मशीनों की खरीद, मतदान कर्मियों व सुरक्षाकर्मियों की तैनाती और अन्य आवश्यक उपाय भी करने होंगे। ये व्यावहारिक सिफारिशें हैं। बस, इसके लिए पहले व्यापक राजनीतिक सहमति बनानी होगी। सियासी दलों में यह आशंका बिल्कुल नहीं होनी चाहिए कि किसी खास एजेंडे के तहत ऐसा किया जा रहा है। अगर संविधान में जरूरी संशोधन हो जाएंगे, तो आगे की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। बेशक, सभी दल इस पर सहमत नहीं होंगे, लेकिन अधिकांश पार्टियों को साथ लेकर चलने में ही भलाई है। हालांकि, इसे अदालत में भी चुनौती दी जा सकती है। न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था हमारे लोकतंत्र को समृद्ध ही बनाती है। मगर संभावना यही है कि ऐसी याचिकाएं खारिज हो जाएंगी।

राज्यपाल ने किया पुस्तकों का लोकार्पण

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने 7 मार्च को राजभवन में सरदार पटेल, सुरक्षा एवं दांडिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर की यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित राजस्थान पुलिस अधिकारियों के शोध अध्ययन आधारित पुस्तक 'बालिकाओं के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों के कारण एवं रोकथाम' और विश्वविद्यालय के 'काउंटर करप्शन केंद्र' द्वारा प्रकाशित 'सुशासन के अंतर्गत भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान' से संबंधित संपादित पुस्तक का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के वैधानिक नियमों, नीतियों और कानून के संबंध में जागरूकता के साथ ही सुशासन के लिए भ्रष्टाचार की प्रभावी रोकथाम करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि बाल यौन अपराध समाज विकास का बड़ा अवरोध है। उन्होंने ऐसे अपराधों को रोके जाने के लिए कारगर और प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया। मिश्र ने 'बच्चों का संरक्षण कानून' पोक्सो की चर्चा करते हुए कहा कि बाल यौन अपराधों के संबंध में सजा के लिए स्पेशल कोर्ट की भी व्यवस्था है। ऐसे अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों को भी असामान्य 'व्यवहार' के प्रति सजग रहने के लिये प्रेरित करने, इंटरनेट, मोबाइल, सोशल मीडिया के अश्लील सामग्री को भी यथासंभव प्रतिबंधित किए जाने आदि पर जोर दिया। उन्होंने सुशासन के साथ भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए भी सबको मिलकर कार्य किए जाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने दोनों ही पुस्तकों के अंतर्गत हुए अध्ययन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने राज्यपाल द्वारा संविधान संस्कृति के लिए किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। पुलिस विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय द्वारा पुलिस शोध और अनुसंधान के तहत किए जा रहे कार्यों और प्रकाशनों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सुबीर कुमार, राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, पुलिस महानिदेशक जेल भूपेंद्र दक सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और विश्वविद्यालय के आचार्य तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस राज्यस्तरीय समारोह का हुआ आयोजन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम सबके जीवन में नारी शक्ति का महत्वपूर्ण योगदान है। हर क्षेत्र में महिलाएं सफलता का परचम लहरा रही हैं। उनके सम्मान तथा गरिमा को बनाए रखना हम सब की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल रूप से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को कई सौगातें दी। उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं का वर्चुअल रूप से लोकार्पण तथा शुभारंभ कर विभिन्न वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

महिला उत्थान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिला उत्थान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार का गठन होते ही हमने प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के तहत गर्भवती और धात्री महिलाओं को दी जाने वाली राशि बढ़ाकर 6500 रुपए की है। उनको निजी डायग्नोस्टिक सेंटर पर निःशुल्क सोनोग्राफी सुविधा देने के लिए मां वाउचर योजना की शुरूआत की गई है। साथ ही, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के मानदेय में भी 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एंटी रोमियो स्कवॉड का गठन, 1024 पुलिस थानों में महिला डेस्क की स्थापना कर महिला पुलिसकर्मी की नियुक्ति, वूमेन हेल्प डेस्क, रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के तहत बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण तथा लाडली सुरक्षा योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे की स्थापना जैसे फैसले किए गए हैं। हम महिलाओं की सुरक्षा तथा सशक्तीकरण के लिए मजबूती के साथ काम कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वर्चुअल रूप से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए हम बदलाव की शुरूआत अपने घर से करें, तभी समाज में बदलाव संभव होगा।

उन्होंने कहा कि बेटों के समान बेटियों को भी महत्व देते हुए उनके सपनों को साकार करने में हमें अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने कहा कि विकसित भारत बनाने में महिला शक्ति का सक्रिय योगदान आवश्यक है तथा नारी सशक्तीकरण के लिए देश एवं प्रदेश में विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। समारोह में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज अभय कुमार सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 3,17,485 प्रकरणों का हुआ राजीनामे से निस्तारण

जयपुर। माननीय मुख्य न्यायाधिपति एम. एम. श्रीवास्तव, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रेरणादायी सानिध्य एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वावधान में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2024 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का 9 मार्च को राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर व जयपुर पीठ सहित राजस्थान प्रदेश के समस्त अधीनस्थ न्यायालयों, अधिकरणों, आयोगों, उपभोक्ता मंचों, राजस्व न्यायालयों, आदि में आयोजन किया गया। राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ, जयपुर में न्यायाधिपति पंकज भण्डारी, न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपतिगण, रालसा एवं रजिस्ट्री के पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, पक्षकारगण, कर्मचारीगण एवं विधि विद्यार्थीगण की मौजूदगी में राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया।

न्यायाधिपति द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 39ए सभी को न्याय के समान अवसर उपलब्ध कराने हेतु लाया गया था। लोक अदालत हर नागरिक के लिए न्याय प्राप्त करने का सस्ता और सुलभ साधन है। राष्ट्रीय लोक अदालत पक्षकारों को सुलह के लिए मंच प्रदान करती है और यह एक ऐसा स्थान है जहां विवाद के पक्षकार समाधान की प्रक्रिया में खुद भाग लेते हैं और विवाद का समाधान भी खुद ही तय करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि विगत वर्ष 2023 में प्रदेश की जिला अदालतों के लम्बित प्रकरणों में प्रत्येक लोक अदालत में औसतन 10.57 प्रतिशत कमी आई है। मुख्य न्यायाधिपति एवं मुख्य संरक्षक, रालसा मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव की प्रेरणा एवं माननीय न्यायाधीश एवं कार्यकारी अध्यक्ष, रालसा पंकज भण्डारी के मार्गदर्शन में विधिक सेवा संस्थाओं द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए कुल 3,17,485 लम्बित प्रकरणों सहित कुल 24,75,175 प्रकरणों का लोक अदालत की भावना के जरिए राजीनामा निस्तारण किया गया, जिसमें कुल 11,99,62,12,882/- रुपये की राशि के अवॉर्ड पारित किये गये। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर द्वारा 324 प्रकरणों तथा जयपुर पीठ द्वारा 810 प्रकरणों का राजीनामे के माध्यम से निस्तारण किया गया।

महाशिवरात्रि पर भजन व फागोउत्सव का हुआ आयोजन

जयपुर। लव त्रिलोकानी सामाजिक सेवा संस्थान, युवा जागृति संगठन एवं अमृत ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में हर साल की भांति इस वर्ष भी कंवर नगर स्थित बम बम भोले नाथ, श्री साई शनि महाराज मंदिर मे 32वां महाशिवरात्रि भजन, फागोउत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आयोजन के अंत में भक्तों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक दौलत त्रिलोकानी ने बताया कि कार्यक्रम में समाजसेवी तुलसी त्रिलोकानी, राजन सरदार, गिरधारी कृष्णानी, कुंदन लाल पठानी, मुकेश मोतियानी, किशन पूजानी, अजय मूलचंदानी, राजेश गोपलानी, महेश सैनी, करन अलवानी, राजेश टहलानी, थावरदास रामरखियानी, साधुराम तोतलानी, रूपचंद दोलतानी, महिला अध्यक्ष पदमा हेमनानी, चिरंजीव सिंह खंगोरात, पंकज रायचंदानी, जगदीश मंगलानी, नरेंद्र जेठवानी, कमल असवानी, धर्मेंद्र पमनानी, हर्ष कलवानी, महेश खटवानी, लक्ष्मण ठाकवानी, डिंपल शर्मा, दिनेश साबू, धर्मेंद्र त्रिलोकानी, अमित ज्ञानचंदानी, अशोक हरलानी, घनश्याम मुलानी, दिलीप कुमार, मंजू टहलानी, वर्षा मनवानी, अनीता मीणा, अंजना त्रिलोकानी, ज्योती बागवानी, नैना शर्मा, अंकिता, रेनू थदानी, कांता धनजानी, अंजना शर्मा, लता जी, लक्ष्मी जेसवानी, रितु परमानी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। फागोत्सव व शिवरात्रि के भजनों पर सभी भक्त खूब झूमें। कार्यक्रम के अंत में सैकड़ो श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ली।

राजस्थान के 4 प्रख्यात कलाकार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 6 मार्च को आयोजित भव्य सम्मान समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगीत, नृत्य, नाटक और लोक कलाओं में उत्कृष्टता हासिल करने वाले कलाकारों को वर्ष 2022-23 के संगीत नाटक अकादमी अवार्ड्स से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने संगीत, नृत्य, नाटक, लोक व जनजातीय कलाएं, कठपुतली और संबद्ध रंगमंच कला के क्षेत्र में 94 प्रतिष्ठित कलाकारों (दो संयुक्त पुरस्कार) को साल 2022 और 2023 के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किए। राजस्थान से वर्ष 2022 के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रख्यात कलाकारों में हिंदुस्तानी इंस्ट्रूमेंटल सरोद वादन में बेहतरीन उपलब्धि हासिल करने वाले कलाकार वसंत काबरा, अलाइड थिएटर आर्टस (लाइटिंग) में दौलतराम वेध और परंपरागत लोक संगीत भपंग वादन के लिए गफूरुद्दीन मेवाती जोगी को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया, वहीं राजस्थान के मोईनुद्दीन खान को सारंगी वादन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए वर्ष 2023 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के द्वारा दिया गया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने इस समारोह में साल 2022 और 2023 के लिए अकादमी पुरस्कारों के अलावा 7 प्रतिष्ठित कलाकारों (एक संयुक्त फेलोशिप) को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न) भी प्रदान किए। संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न) प्रदर्शन कला के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कलाकार को उसके प्रदर्शन कला में असाधारण योगदान के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। वहीं, अकादमी की फेलोशिप सबसे प्रतिष्ठित और दुर्लभ सम्मान है, जिसे अधिकतम 40 व्यक्तियों को ही दिया जा सकता है। अकादमी पुरस्कार साल 1952 से प्रदान किए जा रहे हैं। ये सम्मान न केवल उत्कृष्टता और उपलब्धि के उच्चतम मानक के प्रतीक हैं, बल्कि निरंतर व्यक्तिगत कार्य और योगदान को भी मान्यता देते हैं। अकादमी फेलोशिप के तहत 3,00,000/- रुपये (तीन लाख रुपये) की नकद धनराशि प्रदान की जाती है। वहीं, अकादमी पुरस्कार के तहत ताम्रपत्र और अंगवस्त्रम् के अलावा 1,00,000/- रुपये (एक लाख रुपये) की नकद धनराशि दी जाती है। पुरस्कार समारोह में केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री जी किशन रेड्डी, विधि व न्याय (स्वतंत्र प्रभार), संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, संस्कृति मंत्रालय में सचिव गोविंद मोहन, संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्षा डॉ. संध्या पुरेचा उपस्थित रहे।

प्रदेश के बड़े शहरों में चलेंगी 500 इलेक्ट्रिक बसे, मिली स्वीकृति

जयपुर। प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार प्रदेश के 7 शहरों में 500 इलेक्ट्रिक बसे संचालित करेगी। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इलेक्ट्रिक बसे उपलब्ध करवाने की स्वीकृति जारी की। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि बजट घोषणा की क्रियान्विती में प्रदेश के जयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, भरतपुर एवं उदयपुर शहरों में नगरीय बस सेवा के लिए 500 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध करवाई जाएगी। इससे आमजन को प्रदूषण रहित आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी साथ ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढावा मिलने से आमजन को त्वरित एवं बेहतर परिवहन सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हिकल्स को बढावा देने से

पेट्रोलकृडीजल की बचत होगी, पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और लोगों को बेहतर जीवन शैली का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इन बसों का संचालन एवं संधारण स्वायत्त शासन विभाग द्वारा कंवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड के माध्यम से किया जाएगा। इससे राज्य सरकार पर लगभग 105 करोड़ रूपए से ज्यादा का वित्तीय भार आएगा। बजट घोषणा की क्रियान्विती में जयपुर में 300, जोधपुर में 70, कोटा में 50, उदयपुर में 35, अजमेर में 30 तथा बीकानेर एवं भरतपुर में 15 ई-बसों का संचालन किया जाएगा। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने वर्ष 2024-25 के लेखानुदान (बजट) में प्रदेश वासियों को प्रदूषण रहित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने तथा पेट्रोल/डीजल की बचत के लिए सार्वजनिक परिवहन में ई-वाहनों को बढावा देने हेतु इंटर स्टेट के साथ-साथ राज्य के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा आदि बडे शहरों में 500 इलेक्ट्रिक बसे उपलब्ध करवाने कि घोषणा की थी।

सभी देशवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

श्याम प्रकाश शर्मा
(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 9414077369

सभी देशवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

चन्द्र प्रकाश खेतानी
(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 99283-35592
93145-05592

सभी देशवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

दौलत त्रिलोकानी
(अध्यक्ष)
युवा जागृति संगठन
मो: 9982944038

सभी देशवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

जय कुमार जैन
(समाजसेवी) कालाडेरा वाले
मो: 9351055600

प्रो. बंटी गुप्ता

सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
गुप्ता ट्रेडर्स
प्लास्टिक, कटलरी एवं हॉजरी में हजारों आईटमों के होलसेल विक्रेता
शॉप नं. 2175, पहले चौराहे से पहले, राजाशिवदास जी का रास्ता
चौगान स्टेडियम के सामने, गणगौरी बाजार, जयपुर

सभी देशवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!
राजेश गुप्ता

(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 9309212401

सभी देशवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय

राजेश शर्मा
एवं
श्रीमती
चेतना शर्मा

एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय

प्रधानमंत्री ने पहला राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार प्रदान किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 मार्च को भारत मंडपम, नई दिल्ली में पहला राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने विजेताओं के साथ संक्षिप्त बातचीत भी की। यह राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार कहानी कहने, सामाजिक बदलाव की वकालत करना, पर्यावरणीय स्थिरता, शिक्षा और गेमिंग सहित अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता और उसके प्रभाव को सम्मानित करने का एक प्रयास है। इस पुरस्कार की कल्पना रचनात्मकता के जरिए सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में की गई है। प्रधानमंत्री ने मौजूद लोगों को संबोधित करते इस अवसर के लिए चुने गए भारत मंडपम स्थल का उल्लेख किया और कहा कि देश के रचनाकार आज उसी स्थान पर एकत्र हुए हैं जहां से विश्व नेताओं ने जी20 शिखर सम्मेलन में भविष्य को दिशा दी थी।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि बदलते समय और नए युग के आगमन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना देश की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि देश आज पहले राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कारों के साथ उस जिम्मेदारी को पूरा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने भविष्य का पहले से विश्लेषण करने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा, राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार नए युग को उसकी शुरुआत से पहले ही पहचान दे रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार आने वाले समय में नये युग को ऊर्जा देकर और युवाओं की रचनात्मकता तथा दैनिक जीवन के पहलुओं के प्रति संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए एक मजबूत प्रभाव स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य में राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार सामग्री रचनाकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत बनेंगे और उनके काम को एक पहचान दिलाएंगे। प्रधानमंत्री ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और बहुत कम समय में प्रतियोगियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना भी की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस आयोजन के लिए 2 लाख से अधिक रचनात्मक लोगों का जुड़ाव देश के लिए एक पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री ने आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भी जश्न मनाया और पुरस्कार पाने वाली महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने भारत के रचनात्मक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पर गर्व जताया। उन्होंने इस अवसर पर सभी महिलाओं को अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने बताया कि किसी भी रचनाकार ने कभी भी सामग्री निर्माण से जुड़ा कोई पाठ्यक्रम नहीं किया है क्योंकि ऐसा कोई पाठ्यक्रम अस्तित्व में ही नहीं था फिर भी उन्होंने पढ़ाई से लेकर सामग्री निर्माण तक की अपनी बेहतरीन यात्रा जारी रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी प्रतिभा की सामूहिक क्षमता पर ध्यान देने पर जोर देते हुए कहा, ष्आप अपनी परियोजनाओं के लेखक, निर्देशक, निर्माता और संपादक हैं। प्रधानमंत्री ने सामग्री निर्माताओं के साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा, ÷आपने एक विचार बनाया, उसे नया रूप दिया और उसे पर्दे जीवंत कर दिया। आपने न केवल दुनिया को अपनी क्षमताओं से परिचित कराया है, बल्कि उससे दुनिया को रू-ब-रू भी कराया है।÷ प्रधानमंत्री ने पूरे भारत में रचनात्मक सामग्री के प्रभाव को स्वीकार किया और कहा, आप इंटरनेट के एमवीपी हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सामग्री और रचनात्मकता के बीच सहयोग से जुड़ाव बढ़ता है, सामग्री और डिजिटल का सहयोग बदलाव लाता है, और उद्देश्य के साथ सामग्री निर्माण अपना प्रभाव दिखाता है। मोदी ने सामग्री निर्माताओं से सामग्री के माध्यम से समाज में प्रेरणा लाने का अनुरोध किया और उन्हें लाल किले से महिलाओं के प्रति अनादर का मुद्दा उठाने को याद दिलाया। पीएम ने रचनाकारों से लड़के और लड़कियों का पालन-पोषण करते समय माता-पिता के बीच समानता की भावना को प्रगाढ़ करने के लिए प्रेरक सामग्रियां बनाने का आग्रह किया। उन्होंने सामग्री निर्माताओं को समाज के साथ जुड़ने और इस सोच को हर घर तक ले जाने की बात कही। उन्होंने सामग्री निर्माताओं से भारत की नारी शक्ति की क्षमताओं को प्रदर्शित करने का आग्रह किया और एक मां के अपने दैनिक कार्यों को पूरा करने और ग्रामीण तथा आदिवासी क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में शामिल करने के विचार दिए। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्सामग्री निर्माण गलत धारणाओं को सुधारने में मदद कर सकता है। पीएम मोदी ने कहा, ÷आप पूरी दुनिया में भारत के डिजिटल राजदूत हैं। आप वोकल फॉर लोकल के ब्रांड एंबेसडर हैं÷ उन्होंने कल अपनी श्रीनगर यात्रा को याद किया और एक मधुमक्खी पालन उद्यमी के साथ अपनी बातचीत का उल्लेख किया, जिसने डिजिटल इंडिया की शक्ति से एक वैश्विक ब्रांड बनाया। प्रधानमंत्री ने सामग्री निर्माताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, ÷आइए, हम भारत पर एक सृजन अभियान चलाएं। आइए, हम भारत की कहानियों, संस्कृति, विरासत और परंपराओं को पूरी दुनिया के सामने लाएं। आइए, हम भारत का निर्माण करें और विश्व का निर्माण करें। पीएम ने उनसे ऐसी सामग्री बनाने के लिए वैश्विक दर्शकों को शामिल करने का आग्रह किया जो न केवल निर्माता बल्कि देश के लिए भी अधिकतम लाइक्स दिलाए। भारत के प्रति दुनिया की जिज्ञासा को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने सामग्री निर्माताओं से अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश आदि संयुक्त राष्ट्र की भाषाओं में सामग्री तैयार करने का आग्रह किया।

मोदी ने एआई के बारे में बिल गेट्स के साथ अपनी नवीनतम बातचीत को याद किया और इंडिया एआई मिशन के लिए कैबिनेट की मंजूरी के बारे में जानकारी दी। भारत के युवाओं और उसकी प्रतिभा को श्रेय देते हुए, प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर मिशन पर भी थोड़ी चर्चा की और विश्वास व्यक्त किया कि भारत जो रास्ता 5जी तकनीक के लिए अपनाया था वही रास्ता सेमीकंडक्टर मिशन के लिए भी अपनाएगा। उन्होंने पड़ोसी देशों से रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए वहां प्रचलित भाषाओं के इस्तेमाल पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने उपस्थित लोगों को अपने चल रहे भाषण को कम समय में विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करने और नमो ऐप से तस्वीरें लेने के लिए एआई के उपयोग के बारे में बताया।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सामग्री निर्माताओं की क्षमता राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की ब्रांडिंग को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकती है। उन्होंने रचनात्मकता की ताकत पर प्रकाश डाला और खुदाई से प्राप्त कलाकृतियों की कल्पना करने का उदाहरण दिया जो दर्शकों को इसका अनुभव करने के लिए उसी युग में वापस ले जाने की क्षमता रखते हैं। अपने संबोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि रचनात्मकता की शक्ति देश के विकास के लिए उत्प्रेरक एजेंट बन गई है। उन्होंने इस अवसर पर सभी को बधाई दी और राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार के निर्णायक मंडल के प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने कम समय में 2 लाख से अधिक आवेदकों को जांचा-परखा।

राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार में अनुकरणीय सार्वजनिक सहभागिता देखी गई है। पहले दौर में 20 विभिन्न श्रेणियों में 1.5 लाख से अधिक नामांकन प्राप्त हुए थे। इसके बाद, वोटिंग राउंड में विभिन्न पुरस्कार श्रेणियों में डिजिटल रचनाकारों के लिए लगभग 10 लाख वोट डाले गए। इसके बाद, तीन अंतरराष्ट्रीय रचनाकारों सहित 23 विजेताओं का फैसला किया गया। यह जबरदस्त सार्वजनिक जुड़ाव इस बात का प्रमाण है कि पुरस्कार वास्तव में लोगों की पसंद को दर्शाता है। यह पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ कहानीकार पुरस्कार, डिसरप्टर ऑफ द इयर, वर्ष के सेलिब्रिटी क्रिएटर, ग्रीन चैंपियन पुरस्कार, सामाजिक बदलाव के लिए सर्वश्रेष्ठ क्रिएटर, सर्वाधिक प्रभावशाली कृषि क्रिएटर, वर्ष के सांस्कृतिक राजदूत, अंतर्राष्ट्रीय क्रिएटर पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ यात्रा क्रिएटर पुरस्कार, स्वच्छता राजदूत पुरस्कार, न्यू इंडिया चैंपियन अवार्ड, टेक क्रिएटर अवार्ड, हेरिटेज फैशन आइकन अवार्ड, सर्वाधिक रचनात्मक क्रिएटर (पुरुष एवं महिला), खाद्य श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ क्रिएटर, शिक्षा श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ क्रिएटर, गेमिंग श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ क्रिएटर, सर्वश्रेष्ठ सूक्ष्म क्रिएटर, सर्वश्रेष्ठ नैनो क्रिएटर, सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य एवं फिटनेस क्रिएटर सहित बीस श्रेणियों में प्रदान किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com